**1. विनिर्दिष्ट अनुपालन के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित किया गया वादी निम्नलिखित रूप में अति सादर पूर्वक निवेदन करता है –**

1. दिनांकित ............................. तथा प्रतिवादी द्वारा हस्ताक्षरित एक करार द्वारा उसने रुपये की एक धनराशि के लिए उसमें वर्णित तथा निर्दिष्ट कतिपय अचल सम्पत्ति वादी को बेचने खरीदने (उसको बेचने के लिए संविदा की)।
2. वादी ने उसकी ओर से करार का अनुपालन करने के लिए विशिष्ट तौर पर प्रतिवादी । को आवेदन किया लेकिन प्रतिवादी ने वैसा नहीं किया है।
3. वादी उसकी ओर से करार का विनिर्दिष्ट तौर पर अनुपालन करने कर रहा है और अभी भी तैयार है एवम इच्छा कर रहा है जिसको प्रतिवादी को सूचना थी।
4. वाद हेतुक तारीख ............................. को उत्पन्न हुआ जब प्रतिवादी ने संविदा के अपने भाग का अनुपालन करने से इंकार कर दिया और इस न्यायालय के पास वाद का विचारण करने की अधिकारिता है।
5. वाद का मूल्यांकन सम्पत्ति के प्रस्तावित विक्रय मूल्य ............................ रुपये पर किया जाता है और न्यायालय फीस का तदनसार संदाय किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोष :**

वादी यह दावा करता है कि न्यायालय करार का विनिर्दिष्ट तौर पर अनुपालन करने के लिए तथा कथित सम्पत्ति पर वादी का पूर्ण कब्जा रखने के लिए या कथित सम्पत्ति एक अंतरण एवम् कब्जा स्वीकत करने के लिए और वाद के खर्च का संदाय करने के लिए आवश्यक सभी कार्यों को करने का प्रतिवादी को आदेश देगा।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी